

प्रेषक,

इन्दु कुमार पाण्डे,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त प्रमुख सचिव/सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

2 समस्त विभागाध्यक्ष
उत्तराखण्ड।

सिंचाई विभाग।

देहरादून: दिनांक 23 जनवरी, 2007

विषय:- सिंचाई अनुसंधान संस्थान रुड़की से मृदा/पदार्थ परीक्षण/जल विज्ञान
शोध/प्रतिरूप परीक्षण एवं अन्य कार्य कराया जाना।
महोदय,

उपर्युक्त विषय की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि तत्कालीन मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के हस्ताक्षर से निर्गत कार्यालय शाप संख्या-16 सी-1-सि/2001 दिनांक 03 फरवरी, 2001 के द्वारा यह निर्देश दिये गये थे कि "पूर्ववर्ती उत्तर प्रदेश राज्य में लोक निर्माण विभाग एवं अन्य अभियन्त्रण विभाग द्वारा मृदा परीक्षण एवं अन्य परीक्षण कार्य लखनऊ स्थित लोक निर्माण प्रयोगशाला आदि से कराये जाते थे। उत्तराखण्ड में सिंचाई विभाग के अंतर्गत सिंचाई अनुसंधान संस्थान, रुड़की स्थापित है, जहाँ इस प्रकार के सभी परीक्षण की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। अतः भविष्य में कृपया ऐसे परीक्षण कार्य अनुसंधान संस्थान, रुड़की से कराये"। ऐसा प्रतीत होता है कि अन्य किसी भी अभियन्त्रण विभाग द्वारा सिंचाई विभाग के अंतर्गत सिंचाई अनुसंधान संस्थान, रुड़की का उपयोग उक्त कार्य हेतु नहीं किया जा रहा है। प्रयास यह उल्लेख करना भी उचित होगा कि उत्तराखण्ड राज्य की भौगोलिक स्थिति भूकम्पीय परिक्षेत्र के अंतर्गत आने के कारण यह क्षेत्र अत्यन्त संवेदनशील हो गया है, इसलिए यहाँ निर्माणधीन व भविष्य में निर्माण होने वाले गवन, पुल, बांध आदि के निर्माण में उपयोग होने वाली समस्त निर्माण सामग्री यथा-सीमेंट, ईट, बजरी, रेत, बालू, पत्थर आदि का उपयोग करने से पूर्व उसकी गुणवत्ता को निश्चित रूप से परीक्षण/जांच कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है अन्यथा निर्माण सामग्री विशिष्टियों के अनुरूप न होने के कारण ध्वंसन की अपार हानि होने की सम्भावना बढ़ जायेगी।

अतः शासन द्वारा सम्यक् विचारोपरान्त यह निर्णय लिया गया है कि उत्तराखण्ड राज्य के समस्त अभियन्त्रण विभागों के द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों की सामग्री विशेषकर मृदा परीक्षण एवं अन्य निर्माण सामग्री तथा निर्माण स्थल की उपयुक्तता का परीक्षण/जांच, सिंचाई विभाग के अंतर्गत अनुसंधान संस्थान रुड़की से निश्चित रूप से करा लिया जाय क्योंकि सिंचाई अनुसंधान संस्थान, रुड़की में इस प्रकार के परीक्षण कार्य की सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। अतएव अपार जनहित में यह सर्वथा उचित होगा कि कृपया निर्माण कार्यों में उपयोग की जाने वाली समस्त सामग्रीयों का तकनीकी परीक्षण/जांच उक्त संस्थान से कराये जाने हेतु अपने अधीनस्थ अभियन्त्रण विभागों के अधिकारियों को बड़े निर्देश प्रदान करने का कष्ट करें।

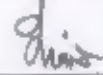
इन्दु कुमार पाण्डे
अपर मुख्य सचिव

संख्या-5462/11-2007-13(04)/03/तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनाधर् एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- निजी सचिव, मा0 राज्य मंत्री, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 2- मुख्य अभियन्ता एवं विभागध्यक्ष, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- मुख्य अभियन्ता, परिकल्प एवं निदेशक, सिंचाई अनुसंधान संस्थान, रुड़की को उनके पत्र दिनांक 28.10.2006 के क्रम में सूचनाधर्।
- ✓ 4- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 5- समस्त निर्माण एजेंसिया नगर निगम/नगर पालिका/विकास प्राधिकरण उत्तराखण्ड।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(टीकम सिंह पवार)
संयुक्त सचिव